वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 285 | सोमवार 12 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

पं. दीनदयाल उपाध्याय की 56वीं पुण्यतिथि

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार देश में सामाजिक परिवर्तन का आधार: उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

अंत्योदय हमारी लोक कल्याणकारी योजनाओं का केंद्र बिन्दु, एकात्म मानववाद की राष्ट्र निर्माण में महत्ती भूमिका: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर. शाबाश इंडिया

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 56वीं पुण्यतिथि पर रविवार को जयपुर के धानक्या में पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक में आयोजित स्मृति व्याख्यान को सम्बोधित करते हुए कहा कि उनका जीवन अंतिम पंक्ति में खडे. व्यक्ति को सशक्त बनाने के लिए समर्पित रहा। इन्हीं विचारों से उन्होंने अंत्योदय की परिकल्पना की एवं जीवन पर्यन्त इसे मूर्तरूप देने के लिए कार्य किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अंत्योदय के भाव से पिछले एक दशक में देश ने अभूतपूर्व विकास किया है। आज भारत विश्व की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश का मजबूत विदेशी मुद्रा भण्डार हमारी आर्थिक उन्नति को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार देश में सामाजिक परिवर्तन के प्रमुख आधार हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के यह विचार थे कि देश के विकास में महिलाओं का अहम योगदान हो और यह महिला सशक्तीकरण के बिना सम्भव नहीं हो पाएगा। वर्तमान समय में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने हेतु नारी शक्ति वंदन अधिनियम बनाया गया है। देश में डिजिटल ट्रांजैक्शन की मजबूती से विश्व में भारत की मजबूत पहचान स्थापित हुई है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश का अमृत काल ही हमारे लिए गौरव काल है। उन्होंने स्थानीय उद्योगों व स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए वोकल फॉर लोकल के तहत कार्य करने का आह्वान किया। धनखड़ ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सामाजिक व सांस्कृतिक योगदान को सदैव याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद समाज में समानता और न्याय स्थापित करने का प्रमुख सिद्धांत है। इससे समाज में सभी वर्गों एवं व्यक्तियों को समान महत्व मिलता है, जिससे राष्ट्र-निर्माण का मार्ग प्रभावी रूप से प्रशस्त होता है। शर्मा ने कहा कि

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय का विचार लोक कल्याण का प्रमुख आधार है और राज्य सरकार इस विचार को योजनाओं, नीतियों एवं कार्यक्रमों में समाहित करते हुए आमजन का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने अंत्योदय के साथ राष्ट्रवाद को अपनाने की संकल्पना दी। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंत्योदय की संकल्पना को आगे बढ़ाते हुए पिछले एक दशक में पूरे देश में हर घर बिजली, हर घर नल से जल पहुंचाने के साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवास उपलब्ध करवाने के अभूतपूर्व कार्य किए हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत पात्र व्यक्तियों को जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांव-गांव तक सड़क पहुंचाकर अंत्योदय के प्रण को पूरा किया था। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरोसिंह शेखावत ने भी काम के बदले अनाज योजना चला कर अंत्योदय विचार को साकार रूप दिया। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सम्पूर्ण जीवन अंत्योदय सिद्धान्त के तहत मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राष्ट्र का सर्वांगीण विकास हुआ है। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय स्मारक पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया एवं स्मारक परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द्र बैरवा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक निंबाराम, उद्योगपति एवं समाजसेवी राजेश गौतम, पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छीपा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

नेटथियेट पर सितार के सुरीले स्वर

सितार पर खिल उठी राग मधुवंती

जयपुर. कासं। नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज जयपुर के उभरते हुए सितार वादक जहिर खान और इरफान खान ने जब सितार के तारों को झंकृत किया तो राग मधुवंती खिल उठी। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि जयपुर के सुरीले सितार वादक जहीर व इरफान ने जब दो सितार के 20 तारो पर शास्त्रीय राग मधुवंती से अपने कार्यक्रम की शुरूआत की तो सुरो के बादल चांद की रोशनी से चमक उठे। उन्होंने राग मधुवंती में ताल तीनताल में अलाप के बाद विलंबित गत, मध्यगत और दुतगत में बहुत ही सुंदर अलाप तानों के साथ अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इसके बाद उन्होंने राग किरवानी बजाकर दर्शकों से दाद पाई। आपके साथ तबले पर सुप्रसिद्ध तबला नवाज मेहरूम उस्ताद हिदायत खा के शिष्य फारूख हुसैन एवं जियान हुसैन ने तीनताल में कायदा,रेलें राव चाला और खूबसूरत गतों के साथ संगत करते हुए अपनी उंगलियों का ऐसा जादू बिखेरा कि दर्शक ऐसी सधी हुई संगत से सितार की मीठी तान में खो गये। कैमरे पर मनोज स्वामी, प्रकाश सागर गढवाल, संगीत संयोजन तपेश शर्मा, मंच सज्जा पुनम चौधरी, अंकित शर्मा नोनू एवं जिवितेश शर्मा की रही। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी ।

युवा मंच ने पंडित दीन दयाल जी की पुण्यतिथि मनाई

कोटा. शाबाश इंडिया। टिप्टा में स्थित पंडित दीनदयाल पार्क मे पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति युवा मंच द्वारा स्वर्गीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि को समर्पण दिवस के रूप में मनाया गया। युवा मंच अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि पं. दीन दयाल उपाध्याय जी ऐसे युगद्रष्टा थे जिन्होंने देश को एक ऐसी विचारधारा देने का काम किया जिसका मूल उदेश्य सत्ता प्राप्ति नहीं बल्कि राष्ट्र को पुनः विश्व गुरु के पद पर आसीन करना हो। पंडित जी ने देश को एकात्म मानव दर्शन दिया जिसमें व्यक्ति से समष्टि तक सभी के हित समाहित हैं। पंडित जी का मानना था कि जब तक हम समाज के गरीब-से-गरीब व्यक्ति तक विकास नहीं पहुंचाते, उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़कर देश की प्रगति में सहभागी नहीं बनाते तब तक देश की स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है।अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति मंच की संस्थापक एवं राष्ट्रीय संरक्षक और पूर्व भाजपा महिला मोर्चा राज. प्रदेश अध्यक्ष मधु जी शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जी शुक्ला, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नीरज जी चतुर्वेदी की सहमति से एवं प्रदेश अध्यक्ष सुरेश जी झंवर व युवा मंच अध्यक्ष प्रदेश राजेंद्र शर्मा के निर्देश से पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय की पुण्यतिथि पर कोटा शहर मे इस मोके पर समस्त कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय दीनदयाल जी को श्रधांजलि अर्पित की। साथ ही गौशाला में जाकर गायों को चारा खिलाया। इस मोके पर उपस्थित रहे भाजपा जिला मंत्री रेखा खेलवाल जिला अध्यक्ष अनिल कुमार,महामंत्री डींके शर्मा अक्षय मेघवाल,आशिक सोनी, मयंक शर्मा, आकाश पंकज, देवराज, इंद्रजीत सिंग, राजकुमार अविनाश, योगेश सुमन, अरमान व अन्य कई पदाधिकारी व कार्यकता उपस्तित रहे।

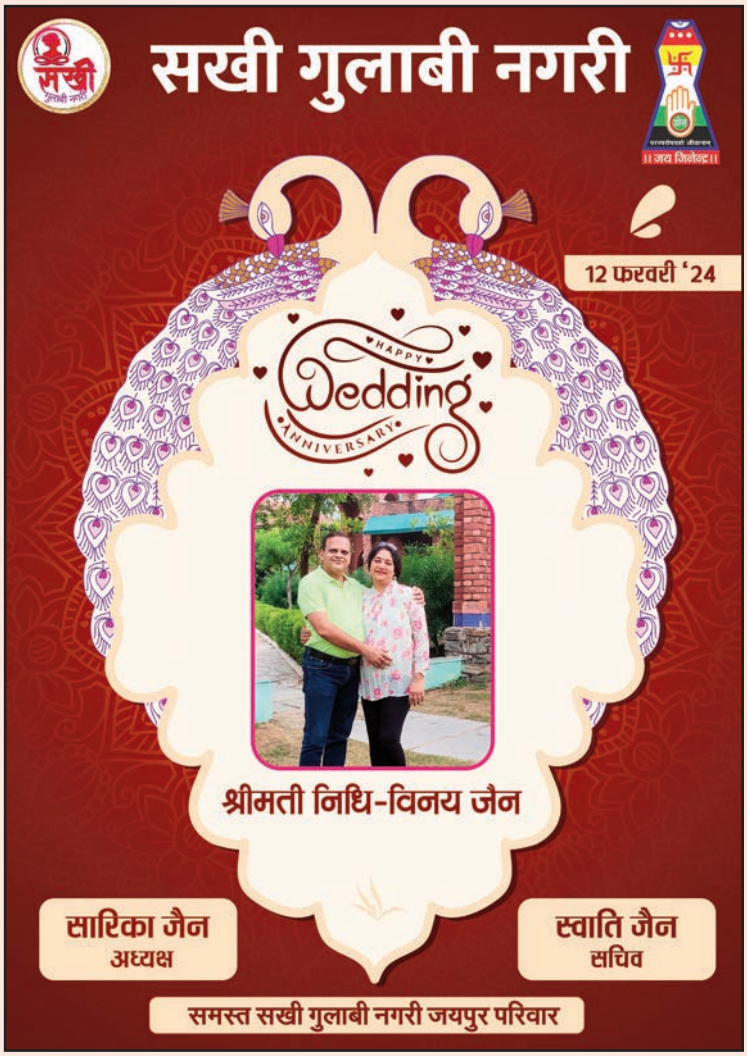

झिलाय मे संगीतमय णमोकार महामंत्र एवं भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन हुआ

श्रद्धालुओं ने रिद्धि मंत्रों के साथ 48 दीपक समर्पित किए

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मंदिर झिलाय में संगीतमय भक्तामर स्तोत्र पाठ अनुष्ठान भजन संध्या आदि अनेक धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजसेवी कजोड़मल जैन पदमचंद राजेश कुमार जितेन्द्र कुमार जैन एवं प्रहलाद नारायण जैन ने भगवान आदिनाथ जी एवं भगवान पार्श्वनाथ जी के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में मुख्य गायक कलाकार विमल जौंला, गायक विमल बड़ागांव एवं गायक विमल सोगानी ने संगीत से णमोकार महामंत्र एवं भक्तामर स्तोत्र की प्रस्तुतियां दी। जीतू झिलाय एवं राकेश संधी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान संगीतमय भक्तामर पाठ में मुख्य गायक विमल जौंला गायक विमल सोगानी नेहा जैन एवं विमल बड़ागांव ने 48 श्लोकों पर गाजे बाजे के साथ भजनों की प्रस्तुतियां दी जिस पर श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किए। भक्तामर पाठ में गायिका रुबल जैन नेहा जैन एवं हेमलता जैन ने रिद्धि मंत्रों का उच्चारण किया जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति के साथ मण्डप पर 48 दीपक समर्पित किए। कार्यक्रम का संचालन विमल जौंला ने किया। कार्यक्रम में इंद्रा जैन हेमलता जैन रिन्की जैन साक्षी जैन देवांशु जैन सलोनी जैन नीतू जैन संजू जैन ने मंगलाचरण किया। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला ने बताया कि ने बताया कि मुख्य गायक कलाकार विमल जौंला ने ₹यह वो जहाज जिसने लाखों को तारा मंत्र णमोकार हमें प्राणों से प्यारा₹ तूने खूब दिया भगवान तेरा बहुत बड़ा अहसान, चाकर राखल्यो जिनवर जी थारो बहुत बड़ों दरबार चाकर राखल्यो , ओ प्रभुजी थारो चेलो बनु में, गायक विमल सोगानी ने थारी चाकरी में चूक कोनी राखो म्हारा गुरुवर जी चाकर म्हाने राखो जी, गायक जीतू जैन ने जब से गुरु दर्श मिला, गायक विमल बड़ागांव ने पारस प्यारा लागे जिनेश्वर प्यारा लागे, आदि अनेक भजनों की प्रस्तुतियां दी जिसमें श्रद्धालुओं ने जमकर भक्ति नृत्य किए गए।

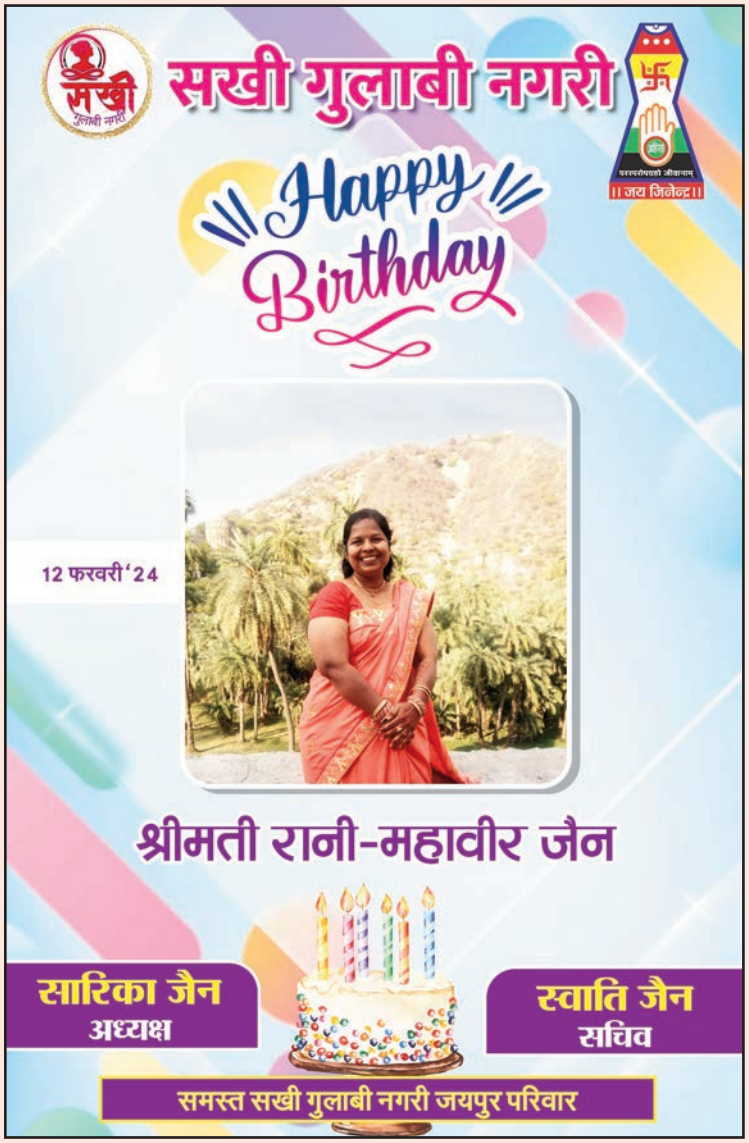

वेद ज्ञान

दुख का निवारण कैसे हो?

दुख को जीवन का शाश्वत सत्य बताया गया है। सवाल यह है कि दुख का निवारण कैसे हो? इसकी खोज में अनंत काल से मनीषियों ने अपना जीवन अर्पित किया और उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला था कि दुख का कारण है और इसका निवारण भी है। दुख के कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण है चाह, इच्छा या कामना। चाह का न होना और अनचाहे का हो जाना दुख का मूल कारण है। हम जन्म से ही कुछ न कुछ चाहते हैं और चाह की पूर्ति न होने पर हम दुखी होते हैं। दुख का दूसरा कारण है, हमारा शरीर जो रोगधर्मा है। शरीर के धारण करते ही रोग व पीड़ा का जन्म हो जाता है। कई बच्चे तो जन्मते ही रोग के शिकार हो जाते हैं। कई रोगों पर तो नियंत्रण हो चुका है, परंतु अभी अनेक रोग लाइलाज हैं। वृद्धावस्था में कुछ ज्यादा ही रोग उत्पन्न होते हैं। रोग से उत्पन्न पीड़ा व रोग के उपचार के खर्च से रोगी और परिजन दोनों दुखी रहते हैं। चाह का बदला रूप है आकांक्षा। हम जीवन में ऊंचा पद, यश और कीर्ति चाहते हैं। आकांक्षा, प्रगति या विकास की जननी है, परंतु दुख का मूल भी है। आकांक्षा अपने आप में बुरी नहीं है, परंतु जब यह ममत्व व संग्रह की प्रवृत्ति से जुड़ जाती है तो यह न केवल स्वयं के लिए दुख का कारण बनती है, बल्कि पूरे समाज में विग्रह और विषमता का कारण भी बनती है। आकांक्षा जन्म देती है अहं और लोभ को। अहं से पैदा होता है क्रोध और संघर्ष। संघर्ष जब हिंसात्मक हो जाता है तब मूक वर्ग (जिसमें निर्धन वर्ग भी शामिल है) हिंसा के शिकार बनते हैं, भोग-उपभोग के साधन बनते हैं, शासित व दमित होते हैं। जब तक आकांक्षा और संग्रहवृत्ति बनी है, शोषण का यह चक्रव्यूह बरकरार रहेगा। शोषण की अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधन जैसे भूमि, जंगल, जानवर, खदान, उपकरण, पूंजी आदि पर कुछ लोग कब्जा कर शासक या मालिक बन जाते हैं और शेष लोग मजदूर या काम करने वाले। जिनका साधनों पर कब्जा है, उन्हें रोटी, कपड़ा, मकान की चिंता नहीं है, परंतु मजदूर और साधनहीन को तो सुबह होते ही मजदूरी पर जाना है, नहीं तो शाम का चूल्हा ही नहीं जलेगा। साधनों की प्रचुरता के बावजूद अनेक लोग सुखी महसूस न करने पर आनंद की खोज में अन्यत्र भटकते हैं।

संपादकीय

भ्रष्टाचार को लेकर रस्साकशी जारी

अभी दिल्ली के मुख्यमंत्री और प्रवर्तन निदेशालय के बीच जोर आजमाइश चल रही है। आबकारी नीति में हुई कथित अनियमितताओं को लेकर प्रवर्तन निदेशालय नें पांचवीं बार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा, मगर उन्होंने फिर यह कह कर उसे टाल दिया कि नोटिस अवैध है। चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में हुई कथित गड़बड़ी को लेकर पार्टी ने दिल्ली में भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। इसमें अरविंद

केजरीवाल को भेजे गए नोटिस का मुद्दा भी शामिल था। खुद केजरीवाल ने इसे लेकर प्रेसवार्ता की और बताया कि किस तरह केंद्र सरकार उनकी सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। वह नहीं चाहती कि वे आम चुनाव में प्रचार करने जा सकें। उन्होंने बताया कि शराब घोटाला मामले में लंबे समय से सीबीआइ और ईडी जांच कर रही हैं, मगर उन्हें आज तक एक भी पुख्ता सबूत हाथ नहीं लगा है। यह पहली बार नहीं है, जब अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी इस मामले को बेबुनियाद, मनगढ़ंत और बेवजह परेशान करने की नीयत से रचा गया बता रहे हैं। जब यह मामला सामने आया, तबसे लेकर अब तक उनका यही दावा है कि वे कट्टर ईमानदार लोग हैं, उनके पास छिपाने को कुछ नहीं है। मगर अब प्रवर्तन निदेशालय पर शायद उनके तर्कों, शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक हथकंडों का शायद ही कोई असर पड़े। ईडी को कानूनी अधिकार हैं कि तीन बार से अधिक नोटिस भेजे जाने के बावजूद कोई व्यक्ति पूछताछ के लिए हाजिर नहीं होता है, तो वह उसे गिरफ्तार कर सकता है या उसके कुछ अधिकारी उससे पूछताछ कर सकते हैं। हालांकि पिछले साल अप्रैल में सीबीआइ केजरीवाल से करीब नौ घंटे पूछताछ कर चुकी है। मगर ईडी से वे बचते फिर रहे हैं। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी ऐसे ही तर्कों के साथ ईडी का सामना करने से बच रहे थे। आखिरकार अधिकारियों ने उनके कार्यालय में जाकर पूछताछ की और जब वे अपने पक्ष में संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए, तो दो दिन पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अरविंद केजरीवाल खुद यह बात कह रहे हैं कि यही प्रक्रिया उनके साथ भी दोहराई जा सकती है। पहले ही इसे लेकर वे पार्टी कार्यकर्ताओं और विधायकों की बैठक करके रणनीति तय कर चुके हैं कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया गया, तो उस स्थिति में क्या करना होगा। बेशक ईडी और सीबीआइ की कार्यशैली लंबे समय से प्रश्नांकित की जा रही है, पर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि अगर अरविंद केजरीवाल सचमुच बेदाग हैं, उनका शराब घोटाले से कोई लेना-देना नहीं, तो फिर उन्हें ईडी के सवालों से बचने की जरूरत क्या है। उन्हें अपने पक्ष में सबूत पेश करने में हिचक क्यों होनी चाहिए। एक समय वे खुद कामकाज में पारदर्शिता के लिए आरोपी नेताओं को कानून का सामना करने की वकालत करते थे। फिर उन्हें इस मामले में कन्नी काटने की क्या जरूरत? इस मामले में उनके दो नेता सलाखों के पीछे हैं।

परिदृश्य

नकल पर नकेल...

परीक्षाओं में नकल, समय से पहले प्रश्न-पत्रों का बाहर आ जाना और अन्य प्रकार की अवांछित गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए कई तरह की कवायदें की जाती रही हैं। मगर आज भी इस समस्या पर काबू पाना एक मुश्किल काम बना हुआ है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से परीक्षाओं के आयोजन के दौरान बहुस्तरीय निगरानी और सख्ती की वजह से नकल और चोरी जैसी गतिविधियों में कमी देखी गई है, मगर प्रश्न-पत्रों के बाहर आने से लेकर अभ्यर्थी की जगह किसी अन्य को परीक्षा में बिठाने जैसी शिकायतें अब भी आती हैं। सबसे बड़ी मुश्किल वहां खड़ी होती है, जहां संगठित रूप से किसी गिरोह की ओर से परीक्षाओं में नकल या अन्य गैरकानूनी तौर-तरीके आजमाए जाते हैं, जिसमें कई स्तर पर परीक्षाओं के आयोजन से जुड़े कुछ लोग भी भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त होते हैं। यही वजह है कि बहुत ज्यादा सख्ती के बावजूद प्रश्न-पत्र लीक होने से लेकर नकल जैसे मामलों पर पूरी तरह रोक लगा पाना संभव नहीं हो सका है। अब केंद्र सरकार ने परीक्षाओं में हर तरह की गड़बड़ी पर रोक लगाने के लिए जो विधेयक संसद में पेश किया है, उसके कानून बनने के बाद नकल या अवांछित गतिविधियों पर काबू पाने की उम्मीद बंधी है। लोकसभा में पेश लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण विधेयक, 2024 के तहत मुख्य जोर परीक्षा के लिए तैयार किए गए प्रश्न-पत्रों तक पहुंच हासिल करने और उन्हें उम्मीदवारों तक पहुंचाने के लिए अनुचित तरीकों से शामिल संगठित गिरोहों पर नकेल कसने पर दिया जाएगा। इसके दायरे में फिलहाल संघ लोकसेवा आयोग, बैंकिंग, नीट, जेईई, एसएसबी, आरआरबी और सीयूईटी आदि परीक्षाएं आएंगी। नए कानून के तहत दस वर्ष तक की कैद और एक करोड़ रुपए तक का जुर्माना हो सकता है। जाहिर है, इस स्तर की सख्ती किसी को भी परीक्षा से संबंधित गैरकानूनी

गतिविधियों में शामिल होने से रोकेगी। मगर ध्यान रखने की जरूरत है कि प्रश्न-पत्र लीक कराने से लेकर अन्य किसी भी प्रकार की गड़बड़ी करने वाले गिरोह दरअसल परीक्षा आयोजन से जुड़े तंत्र में घुसपैठ करके भ्रष्ट गतिविधियों को अंजाम देते हैं। इसलिए सजा में सख्ती के साथ इस तरह की घुसपैठ को रोकने के लिए एक ठोस तंत्र की जरूरत है।

स्वर्ण आभायुक्त सहस्त्रकूट जिनालय स्थापना दिवस पर दो दिवसीय उत्सव आयोजित हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योति नगर जैन मन्दिर में निर्मित भव्य स्वर्ण आभा युक्त सहस्त्र कूट जिनालय की स्थापना दिवस के उपलक्ष पर दो दिवसीय आयोजन मन्दिर जी में सानन्द सम्पन्न हुए। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि 10 फरवरी शनिवार शाम को आरती के बाद साज बाज के साथ भक्ति संध्या का आयोजन महिला मण्डल व जैन युवा मंच के तत्वाधान में हुआ जिसमे राजकुमार बाकलीवाल ने दीप प्रज्वलन किया। अमित शाह, राजकुमारी, सुनील सेठी आदि द्वारा प्रस्तुत भजनों का आनंद श्रोताओं ने लिया तथा आचार्य विद्यासागर जी महाराज व आचार्य वसुनन्दी जी महाराज के उत्तम स्वास्थ्य हेतु 108 जाप किए गए। दूसरे दिन रविवार को त्याग मूर्ति आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज व गणिनी आर्यिका गौरव मति माताजी के सानिध्य में वर्ष 2018 में हुये पंचकल्याणक की याद में भव्यता के साथ प्रातः जिनालय परिषर में मण्डल पर भगवान श्री 1008 नेमि नाथ की प्रतिमा पाण्डुक शीला पर विराजित कर अभिषेक तथा विश्व शांति हेतु शान्तिधारा करने का सोभाग्य विजय राकेश राजेंद्र ठोलिया परिवार को प्राप्त हुआ । इसके बाद जिन सहस्त्र नाम मण्डल पूजन विधान का संगीतमय आयोजन हुआ। मण्डल पर मंगल कलश शकुन्तला बिंदायक्या, मीना कासलीवाल, चंद्रमणि चाँदवाड, सुनीता भोंच ने तथा अखंड ज्योति प्रकाश गंगवाल ने स्थापित की । जिसमे पूजन के साथ भगवान के 1008 नामों के अर्घ्य विद्वान वीरेंद्र शास्त्री के सानिध्य में समाज के श्रावकों द्वारा भक्ति भाव के साथ तथा स्वाहा स्वाहा बोलते हुए चढ़ाये गए। दिन में क्षेत्रपाल बाबा का चोला पूजन का आयोजन हुआ तथा शाम को जिनालय में आरती की गई। आयोजन में प्रबंध समिति, महिला मण्डल, युवा मंच के सदस्यों व समाज के गणमान्य श्रावक श्राविकाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।

समवसरण महामंडल विधान का हुआ आयोजन

संकल्प से सिद्धि मिलती है, संकल्प में आंतरिक शक्ति छिपी है : आचार्य श्री विनम्र सागर

बड़ागांव धसान. शाबाश इंडिया। अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में समवसरण महामंडल विधान का आयोजन 7 फरवरी से 13 फरवरी तक बड़े ही भक्तिभाव से आचार्य श्री विनम्र सागर महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में एवं ब्रह्मचारी पं जय कुमार निशांत भैया जी, पंडित मनीष जैन टीकमगढ़ के निर्देशन आयोजन किया जा रहा है। प्रातःकालीन बेला मे श्री 1008 अरनाथ भगवान का अभिषेक शांति धारा पूजन एवं दोपहर में विधान का आयोजन किया जा रहा है।विधान के पश्चात आचार्य श्री के मंगल प्रवचन हुए। आचार्य श्री ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि संकल्प से सिद्धि मिलती है संकल्प में आतरिक शक्ति छिपी है जो लोग लापरवाही बाली जिंदगी जीते हैं वह हमेशा परेशान रहते हैं। जिस व्यक्ति के पास संकल्प का धन होता है वह व्यक्ति ऊजार्वान रहता है। जैसे की सुभाष चंद्र बोस ने संकल्प किया तो स्वतंत्रता के लिए देश में इतनी बड़ी फौज बना दी थी यह है संकल्प की ताकत संकल्प में सिद्धि समाई हुई है। जैसे कि व्यक्ति को अपने मन में संकल्प लेना चाहिए कि मैं संकल्प लेता हूं शांत रहूंगा अशांति का माध्यम नहीं बनूंगा, दूसरा में मधुर वचन बोलूंगा कडबे वचन नहीं बोलूंगा। मेरे होंठ जब भी चलें तो दूसरों का हृदय खिले तुलसी मीठे वचन से सुख उपजे चहो ओर। इंद्रसभा का दरबार भी लगाया गया। क्षेत्र के प्रचार मंत्री धीरेंद्र सिंघई ने बताया कि 11 फरवरी रविवार को प्रातः 9: बजे से चिकित्सा शिविर का आयोजन पंडित गुलाबचंद जी पुष्प के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित किया जाएगा जिसमें बाहर से सभी रोगों के डॉक्टर को बुलाया गया है जिसमें परीक्षण कर दबा दी जाएगी।

श्री मुनिसंघ सेवा समिति बापू नगर के बैनर तले आचार्य श्री चैत्यसागर जी मुनिराज ने दी आज क्षुल्लक दीक्षा

डॉक्टर मनोज सांघवी बने क्षुल्लक 105 श्री सर्वजीत सागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मुनिसंघ सेवा समिति, बापू नगर के बैनर तले परम पूज्य सर्वांगभूषण आचार्य श्री चैत्यसागर जी मुनिराज ने आज श्री दिगम्बर जैन नसियाँ भट्टारक जी परिसर में मानस्तम्भ के समक्ष आज भव्य भव्य जैन क्षुल्लिक दीक्षा दी। डॉक्टर मनोज सांघवी दीक्षा के बाद बने क्षुल्लक 105 श्री सर्वजीत सागर जी महाराज । आचार्य श्री ने कहाँ कि तमाम मुश्किलों को पार कर मिलती है, जैन धर्म में दीक्षा। मनीष बैद ने बताया कि दीक्षा समारोह जब प्रारंभ हुआ तो दीक्षाथी ने गुरुवर की वंदना की, हाथ जोड़कर दीक्षा प्रदान करने की प्रार्थना की गुरुवर का आदेश पाकर वैराग्यमयी, सारगर्भित वचनों से जनता को उद्बोधन देते हैं तदुपरान्त दीक्षाथी ने हवा में उड़ने वाले केशों का लुन्चा करना प्रारंभ कर दिया।

क्षमा गलती का मरहम विश्वास का नहीं: गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) में साधनारत गणिनी आर्यिका रत्न गुरूमां विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में शांति प्रभु के पादमूल में अभिषेक , शांतिधारा के पश्चात शांतिनाथ विधान करने का सौभाग्य शांतिलाल जी पवांलियाँ वाले निवाई सपरिवार ने प्राप्त किया। मण्डल पर 120 अर्घ्य चढाकर भगवान शांतिनाथ जी की आराधना की गई। माताजी ने प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधन देते हुए कहां कि - रिश्तों की रस्सी कमजोर तब हो जाती है, जब इंसान गलतफहमी में पैदा होने वाले सवालों के जवाब भी खुद ही बना लेता है। क्षमा केवल गलती का मरहम हो सकता है, विश्वास तोड़ने का नहीं इसलिये जीवन में हम कोई गलती भले ही करे, पर किसी का विश्वास न तोड़े, क्योंकि माफ करना फिर भी सरल है पर भूलना व पुनः विश्वास करना असंभव है। गुरुभक्त सरिता पाटनी किशनगढ़ एवं सुरेन्द्र पाटनी जयपुर, महेन्द्र गर्ग जयपुर वालों ने गुरूमाँ की आहारचर्या कराने का सौभाग्य प्राप्त किया। तत्पश्चात अशोक जी पहाड़ी वाले निवाई वालों ने निमार्णाधीन सहस्त्रकूट जिनालय का अवलोकन किया एवं मंगल कलश प्राप्त कर गुरूमाँ का आशीष प्राप्त किया। टोडारायसिंह जैन समाज के अध्यक्ष संत कुमार कासलीवाल ने गुरु माँ का मंगल आशीर्वाद एवं मंगल कलश प्राप्त किया ।

मंगल ग्रह पर पहुंचना आसान लेकिन कठिन 'खुले में शौच' का निपटान

शाबाश इंडिया

भारत में स्वच्छता कार्यक्रमों की सफलता में व्यवहार परिवर्तन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जबकि शौचालयों का निर्माण आवश्यक बुनियादी ढाँचा है, उनके निरंतर उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों को संबोधित करने की आवश्यकता है जो स्वच्छता के प्रति लोगों

के दृष्टिकोण और प्रथाओं को प्रभावित करते हैं। केवल शौचालय बना देने से उनके उपयोग की गारंटी नहीं हो जाती। खुले में शौच से जुड़ी गहरी जड़ें जमा चुकी आदतें, सुविधा और सामाजिक-सांस्कृतिक मानदंड बाधाओं के रूप में कार्य करते हैं। यहां तक कि शौचालयों, उचित हाथ धोने और मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन के लिए भी इष्टतम स्वास्थ्य लाभ के लिए व्यवहार परिवर्तन की आवश्यकता होती है। सतत स्वच्छता के लिए सामुदायिक स्वामित्व और कार्यक्रम के डिजाइन और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है। भारत दुनिया का चौथा देश (रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ के बाद) और अंतरिक्ष में मंगल जांच शुरू करने वाला एकमात्र उभरता हुआ देश बन गया। लेकिन यह 50% से कम स्वच्छता कवरेज वाले 45 विकासशील देशों के समूह का हिस्सा बना हुआ है , जहां कई नागरिक या तो शौचालय तक पहुंच की कमी के कारण या व्यक्तिगत पसंद के कारण खुले में शौच करते हैं। भारत के लिए, किसी न किसी रूप में शौचालय तक पहुंच प्रदान करना आसान हिस्सा है। सबसे कठिन है लोगों को उनका उपयोग करवाना । ग्रामीण क्षेत्रों में, शौचालय-अस्वीकृति लिंग के आधार पर भिन्न होती है। देश भर में पुरुषों के साथ 300 फोकस समूहों पर आधारित एक चल रहे अध्ययन से पता चला है कि वे शौचालय के बजाय खुले में शौच करना पसंद करते हैं क्योंकि इससेः पानी की बचत होती है; ताजे पानी और हवादार वातावरण तक पहुंच प्रदान करता है; शौचालय की टूट-फूट को कम करता है; महिलाओं को पुरुषों की नजरों में शर्मिंदा होने से बचाता है; और जिद्दी पत्नियों और माताओं से बचने का एक आसान बहाना पेश करता है। सार्वजनिक एजेंसियां परिवारों को उनकी युवा लड़कियों की सुरक्षा के लिए शौचालयों में निवेश करने के लिए मनाने की कोशिश करती हैं । लेकिन गांवों में, महिला शिक्षकों और लड़कियों के साथ फोकस समूह-आधारित अध्ययन से पता चला कि खुले में शौच का एक केंद्रीय लाभ यह है कि यह महिलाओं के लिए समान लिंग वाले सामाजिक संपर्क के अवसर प्रदान करता है। कई क्षेत्रों में लड़कियों और महिलाओं को मुद्दों पर बहस करने, विचारों का आदान-प्रदान करने या बस एक साथ आराम करने के लिए सार्वजनिक स्थानों पर इकट्ठा होने की अनुमति नहीं है। किशोरों को और भी अधिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है क्योंकि वृद्ध महिलाएं अक्सर युवाओं के बीच स्वतंत्र चर्चा की अनुमति देती हैं। इस संबंध में, खुले में शौच करना अन्य बाधाओं से मुक्त होकर बात करने और एक साथ समय बिताने का बहाना प्रदान करता है। इस प्रकार, ऐसे गांवों में खुले में शौच को खत्म करने के लिए सबसे पहले सामाजिक संपर्क के लिए वैकल्पिक सुरक्षित लिंग आधारित स्थानों की आवश्यकता है। स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार का एक अत्यंत आवश्यक और प्रमुख कार्यक्रम है। परंतु इसका संबंध केवल शौचालय निर्मित करने भर से नहीं है। बल्कि इसके तहत ऐसे शौचालय विकसित होने चाहिए जिनका लोग वास्तव में प्रयोग कर सकें। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि इसका संबंध गंदगी के निस्तारण और उपचार की व्यवस्था से भी है। यह बात एकदम स्पष्ट है लेकिन इसे कैसे अंजाम दिया जाए, यह अब भी लाख टके का प्रश्न है। सरकार अपने स्वच्छता कार्यक्रमों की बेहतर सफलता के लिए सुनिश्चित करें कि शौचालय सभी के लिए सुलभ हों, विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समूहों के लिए, और सब्सिडी या सूक्ष्म-वित्तपोषण योजनाओं के माध्यम से सामर्थ्य पर विचार करें। ऐसे शौचालय डिजाइन करें जो सांस्कृतिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए, विशेष रूप से महिलाओं और लड़कियों के लिए गोपनीयता और गरिमा सुनिश्चित करें। पानी की उपलब्धता और अपशिष्ट निपटान के बारे में चिंता करते हुए, उचित शौचालय संचालन और रखरखाव के लिए प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करें। महिलाओं और लड़कियों की विशिष्ट स्वच्छता आवश्यकताओं को संबोधित करना, जिसमें मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन सुविधाएं और गर्भावस्था के दौरान सुरक्षित स्वच्छता विकल्प शामिल हैं। सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील मुद्दों को संबोधित करने और मौजूदा विश्वास प्रणालियों के साथ स्वच्छता प्रथाओं को एकीकृत करने के लिए धार्मिक नेताओं और समुदाय के बुजुर्गों के साथ जुड़ें। स्थानीय नेताओं, महिलाओं और स्वच्छता कार्यकर्ताओं को स्वच्छता प्रथाओं का समर्थन करने और स्वच्छता से संबंधित वर्जनाओं को संबोधित करने के लिए प्रशिक्षित करें। शौचालय के उपयोग के लिए प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन पेश करें और समुदायों के भीतर परिवर्तन के चैंपियनों को पहचानें। भारत में स्वच्छता कार्यक्रमों में सफलता हासिल करना व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने पर निर्भर है। इसमें सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों से निपटना, जागरूकता बढ़ाना, समुदायों को शामिल करना, पहुंच बढ़ाना और व्यवहार संबंधी अंतर्दृष्टि का उपयोग करना शामिल है। इन प्रयासों के माध्यम से, सरकार पूरे देश में स्थायी शौचालय उपयोग और उन्नत स्वच्छता प्रथाओं को प्रोत्साहित कर सकती है। भारत जैसे उभरते देश के लिए, स्वच्छता चुनौती से निपटने की तुलना में मंगल ग्रह पर खोजी अभियानों में भाग लेना अधिक आसान है। पहले को उन्नत, अच्छी तरह से संसाधन वाले भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के नेतृत्व में एक रैखिक प्रक्रिया के माध्यम से संबोधित किया जा सकता है, जबकि बाद वाले में हजारों कस्बों और गांवों को शामिल करते हुए प्रणालीगत परिवर्तन की आवश्यकता है। भारत को खुले में शौच को खत्म करने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए, विभिन्न प्रकार के प्रणालीगत कार्यकर्ताओं के बीच सहयोग और समन्वय, राजमिस्त्रियों के लिए सुलभ पाठ्यक्रम के रूप में ज्ञान उत्पादों की पीढ़ी और केवल सुरक्षित शौचालय बनाने और उपयोग करने के लिए सामुदायिक भागीदारी की आवश्यकता होगी।

डॉ. सत्यवान सौरभ,
कवि, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट

तीर्थंकर वासुपूज्य भगवान का मनाया ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चौरू, नारेडा मंडावरी, मेंहन्दवास, निमेडा, लसाडिया, लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, त्रिमूर्ति मंदिर, पार्श्वनाथ चैत्यालय, चंद्र प्रभु नसियां तथा चंद्र पुरी मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 12 वें तीर्थंकर वासुपूज्य भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि कार्यक्रम में आर्यिका श्रुतमति माताजी आर्यिका सुबोध मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में पार्श्वनाथ चैत्यालय में प्रातः अभिषेक, शांतिनाथ, अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना करने के बाद वासुपूज्य भगवान का ज्ञान कल्याणक महोत्सव का सामूहिक रूप से जयकारों के साथ अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि और शांति की कामना की गई। कार्यक्रम में सभी पूवार्चार्यों के अर्घ्य अर्पित कर आचार्य विद्यासागर जी महाराज के स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए सामूहिक रूप से जयकारों के साथ अर्घ्य चढ़ाते हुए दीघार्यु होने की कामना की गई। उक्त कार्यक्रम में केलास कलवाडा, सोहनलाल झंडा,मंदिर समिति के अध्यक्ष महावीर झंडा, मंत्री कमलेश कुमार चौधरी , फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, महावीर लदाना , सुरेश मांदी, हेमराज कलवाड़ा, हरकचंद पीपलू,विनोद कलवाडा, कन्हैयालाल सिंघल,सुरेश डेठानी,रतन नला, रमेश बावड़ी,टीकम गिंदोडी, राजेंद्र कलवाडा,अशोक कागला, पारस मोदी, विनोद मोदी, त्रिलोक पीपलू कमलेश चोधरी तथा राजाबाबू गोधा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

प्रतिष्ठा मे बने पात्रों के निमन्त्रण के साथ हल्दी मेहन्दी की रस्म की गई

घट यात्रा के साथ प्रतिष्ठा महोत्सव आज से

ऋषभदेव,उदयपुर. शाबाश इंडिया

भट्टारक यश कीर्ति दिगंबर जैन ट्रस्ट एंव दिगम्बर जैन समाज द्वारा आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत शनिवार को दोपहर प्रतिष्ठा मे बने पात्रो को लाने के शोभा यात्रा निकाली गई। दोपहर 2 बजे गुरुकुल से प्रारंभ होकर सभी मुख्य पात्रों के निवास पर पहुंची। शोभा यात्रा सर्व प्रथम सौधर्म इन्द्र मिलाप भाई किरीट भाई कोठारी,राजा श्रेयांश डॉ. धर्मेन्द्र भाई किरीट भाई कोठारी से माता पिता सुरेश कुमार बंशीलाल कोठरी से महायज्ञनायक सुन्दरलाल पृथ्वीराज भाणावत से कुबेर जयप्रकाश लक्ष्मीलाल सिसपुरिया से होते हुए ध्वजारोहण कर्ता नगर सेठ राजमल शकरलाल कोठारी के निवास से मुख्य कलश स्थापना नवनीतलाल भवरलाल गड़िया स्वामी वात्सल्य भोजन पुण्यार्जक रामचन्द्र पन्नालाल नागदा बाहुबली, विनोद बद्रीलाल शाह माहेंन्द्र अनन्त कुमार बंशीलाल कोठारी सनत कुमार इन्द्र तरूण जितेंद्र रमेश सिसपुरिया से होते हुए अखण्डज्योत सुशीला देवी चांदमल किकावत से पंडाल उदघाटनकर्ता दिलीप शकरलाल दलावत,स्वामी वात्शल्य सुन्दरलाल किकावत से जुलूस राजा सोम जीवन्धर झमकलाल किकावत ईशानइंद्र सुमेश कुमार बदामीलाल वाणावत भरत चकवर्ती बंशीलाल बजेचंद शाह को लेकर गुरुकुल मन्दिर पहुंचा जहां पर प्रतिष्ठाचार्य हसमुख शास्त्री एवं सुधीर मार्तण्ड ने मन्त्रोचार कर इन्द्र इन्द्राणीयो की हल्दी की रस्म अदा की गई इस के बाद सांयकाल के आचार्य श्री की आरती के बाद रात्री मे मेंहदी का आयोजन किया गया। जीवन के निर्माण से जीवन का निर्वाण होगा धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ने कहा कि संस्कार, संयमित, अनुशासित जीवन से करना होता है तभी जीवन से निर्वाण अर्थात सिद्धालय की प्राप्ति होगी। श्री ऋषभदेव भगवान सहित सभी तीर्थंकरों के हम पर बहुत उपकार हैं, जिन्होंने तपस्या, साधना से आत्मा पर लगे कर्मों को नष्ट कर केवल ज्ञान प्राप्त किया और सभी के कल्याण के लिए धर्म उपदेश देकर धर्म का प्रवर्तन किया। **घटयात्रा के साथ आज से प्रतिष्ठा महोत्सव शुरू:** महोत्सव के प्रथम दिन धजारोहण - गर्भकल्याणक सुबह 6 बजे नांदी मंगल व्रतदान, भूमि-शुद्धि, घटयात्रा 8.30 बजे घ्वजारोहण, मंडप उ्दधघाटन, चित्र अनावरण। दीप प्रज्ज्वलन, आचार्य निमंत्रण, जाप्यारम्भ 9.30 बजे प्रवचन सभा मध्याह्न 12.30 बजे, इन्द्र प्रतिष्ठा श्री जिनाभिषेक, यागमण्डल पूजा, गर्भकल्याण संस्कार विधि, गर्भकत्याणक पूजा मध्याह्न 3.00 बजे सकलीकरण -हवन सायं 6.30 बजे सीमान्तर संस्कार, (माता की गोद भराई उत्सव) सायं 7.30 बजे आरती, शास्त्र सभा गर्भकल्याणक नाटक का मंचन होगा।

मंदारगिरी में भगवान वासुपूज्य का मनाया गया ज्ञान कल्याणक महोत्सव

भगवान वासुपूज्य की खड्गासन प्रतिमा का जैन श्रद्धालुओं ने किया महामस्तकाभिषेक

बौन्सी (बांका). शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 12वें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य स्वामी के तप, ज्ञान एवं निर्वाण भूमि से सुशोभित मंदारगिरी पर्वत शिखर पर माघ शुक्ल द्वितीय रविवार को भगवान वासुपूज्य का कैवल्य ज्ञान महोत्सव जैन धर्मावलंबियों ने धूमधाम के साथ मनाया गया। तीर्थंकर वासुपूज्य के कैवल्य ज्ञान दिवस पर मंदार पर्वत स्थित उनके प्राचीन चरण पादुका ज्ञान स्थली को फूल-मालाओं से सुसज्जित कर विशेष पूजा-अर्चना हुआ। इस अवसर पर जैन श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजन, भगवान वासुपूज्य का मस्तकाभिषेक, शांतिधारा, अष्टद्रव्य अर्पित कर प्रभु की आराधना की गई। वहीं मंदार पर्वत शिखर पर भगवान वासुपूज्य की सवा सात फुट ऊंची खड्गासन प्रतिमा का मस्तकाभिषेक किया गया। **अनंत चतुष्टय, अनंत दर्शन, अनंत सुख से ज्ञान प्राप्त:** मंदारगिरी सिद्ध क्षेत्र प्रबंधक पवन कुमार जैन ने बताया कि जैन तीर्थंकरों को कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति तप के द्वारा अपनी आत्मा में ही निरंतर लीन हो जाने से एवं चार घातिया कर्मों का नाश कर अनंत चतुष्टय अनंत दर्शन, अनंत सुख से ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। जैन तीर्थंकर के ज्ञान इतना शुद्ध निर्मल हो जाते है कि उनके ज्ञान में तीनों काल (भूतकाल, वर्तमानकाल और भविष्यकाल) तीनों लोक के समस्त पदार्थ युगपत झलकने लगते हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जयपुर के 17 मेधावी सिख बच्चों को मिला एक्सीलेंस अचीवमेंट अवॉर्ड

जयपुर. शाबाश इंडिया। कौन बनेगा गुरु सिख बच्चा संस्था (केबीजीबी) द्वारा दी सिख टैलेंट हंट के अंतर्गत एजुकेशन एवं स्पोर्ट्स में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 17 मेधावी सिख बच्चों को एक्सीलेंस अचीवमेंट अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया गया। जवाहर गुरुद्वारा साहिब द्वारा आयोजित विशाल गुरमत समागम में राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष सरदार अजयपाल सिंह ने रबोले सो निहाल सत श्री अकालर के जयकारे के बीच चयनित सिख बच्चों को अवार्ड और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। लडकिया अव्वल रहीं। 9 लड़कियां और 8 लडकों में से 5 एकेडमिक, 2 एलएलएम, 3 पीएचडी, 5 राष्ट्रीय खेलों में, 1सीए और 1बीटेक परीक्षा में अव्वल रहे। केबीजीबी संस्था के प्रधान सरदार ओंकार सिंह, किंडर केयर स्कूल के डायरेक्टर अरविंदर सिंह टक्कर, सचिव सुखदेव सिंह, सुरेंद्र सिंह, जसबीर सिंह, सिख यूथ विंग के अध्यक्ष दविंदर सिंह शंटी, जवाहर नगर गुरद्वारे के सचिव सतनाम सिंह गुलियानी, जयपुर हेरिटेज की महापौर मुनेश गुर्जर, पंजाबी महासभा के अध्यक्ष रवि नैयर सहित समाज के विशिष्ठ सदस्यों ने इस समारोह में भाग लिया। समूचे कार्यक्रम का प्रयोजन किंडर केयर स्कूल द्वारा किया गया।

ओंकार सिंहः अध्यक्ष, केबीजीबी संस्था जयपुर

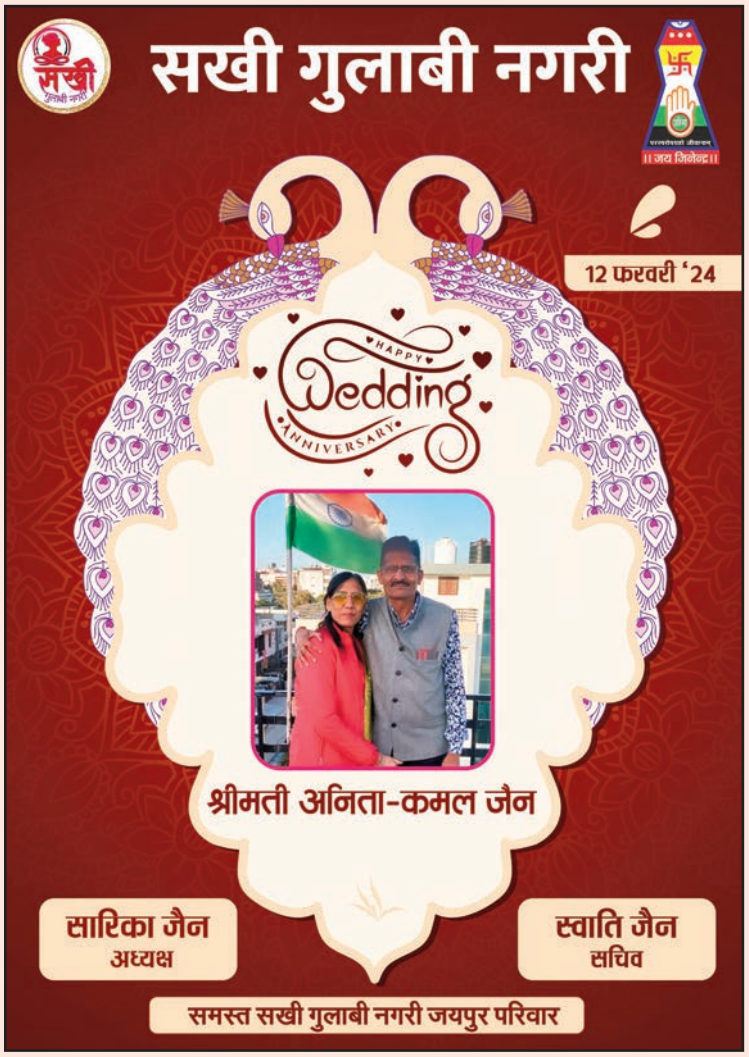

नैनागिरि में होगा भगवान पारसनाथ अमृत महोत्सव

17-18 फरवरी को 73वां महामस्तकाभिषेक और होगा भक्तांबर, विधान व सम्मान समारोह

शाबाश इंडिया. शाबाश इंडिया

बकस्वाहा। तहसील अंतर्गत देश का सुविख्यात जैन तीर्थ श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र नैनागिरि (रेशंदीगिरि) में आगामी 17 व 18 फरवरी 2024 को भगवान पारसनाथ अमृत महोत्सव विविध कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जा रहा है। वरदत्तादि महर्षियों की सिद्ध भूमि , पार्श्वनाथ की समवशरण/ देशना स्थली, पार्श्वनाथ के द्वितीय भव के गजराज वज्रघोष की स्वर्ग भूमि जैन तीर्थ नैनागिरि में भगवान महावीर स्वामी के 2550वें तथा भगवान पार्श्वनाथ के 2800वें निर्वाण वर्ष के अवसर पर आयोजित भगवान पारसनाथ अमृत महोत्सव के अवसर पर दिनांक 17 एवं 18 फरवरी को प्रातःकाल 8:00 बजे से गिरिराज स्थित चौवीसी जिनालय में विराजमान भगवान पारसनाथ की प्रतिमा का 73वां महामस्तकाभिषेक, शांतिधारा, पारसनाथ विधान के साथ सम्पन्न कराया जाएगा, जो पं. अशोक कुमार जैन बम्हौरी के निर्देशन में विधि विधान से कराया जाएगा। यहां स्मरण रहे कि पूज्य मुनिवर आदिसागर जी महाराज (बम्हौरी वाले) की मंगल प्रेरणा से उनके ही मंगल सान्निध्य में जैन तीर्थ नैनागिरि में 17 फरवरी 1952 को भगवान पारसनाथ की तदाकार खड्गासन प्रतिमा प्रतिष्ठित कराई गई थी, जिस प्रतिमा के 73वें महामस्तकाभिषेक करने का महापुण्यकारी सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। इस महोत्सव के अवसर पर 17 फरवरी शनिवार की रात्रि 7:00 बजे से राजधानी भक्तांबर मंडल भोपाल के करीबन 100 सम्माननीय सदस्यों द्वारा संगीतमय भक्तांबर पाठ तथा महाआरती सहित विविध कार्यक्रम किए जाएंगे , जिसमें सभी नैनागिरि कमेटी के पदाधिकारी व सदस्य तथा क्षेत्रीय धर्मप्रेमी महानुभावों को सहभागिता का सौभाग्य प्राप्त होगा। दिनांक 18 फरवरी रविवार के प्रातः महामस्तकाभिषेक उपरांत 11:00 बजे से तीर्थ की परम संरक्षक न्यायमूर्ति श्रीमती विमला जी जैन तथा ट्रस्ट अध्यक्ष सुरेश जैन आईएएस भोपाल के सौजन्य से वात्सल्य प्रीतिभोज कराया जावेगा। दोपहर 1:00 बजे से सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें समाज गौरव , जनप्रतिनिधि , तीर्थ सेवी , प्रशासनिक सेवाओं हेतु चयनित प्रतिभागी तथा विभिन्न प्रतिभाओं सहित अतिथियों को सम्मानित किया जाएगा। जैन तीर्थ नैनागिरि के न्यास अध्यक्ष सुरेश जैन आईएएस , प्रबंध अध्यक्ष डॉ. पूर्णचंद्र जैन, न्यास मंत्री राजेश रागी , प्रबंध मंत्री देवेंद्र लुहारी , सचिव मोतीलाल सांधेलिया सहित कमेटी के पदाधिकारी व सदस्यों ने सभी से इस अवसर पर सपरिवार पधार कर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है ।

वरिष्ठ पत्रकार राजेश जैन रागी /रत्नेश

एड्यूविजनरी अवार्ड्स भविष्य के निर्माताओं का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

यंग एनगेज (न्यूजपेपर इन एजुकेशन) और पेटल्स नॉलेज पार्क (वन स्टॉप सॉल्यूशन फॉर स्कूल), आयोजक नीलम सक्सेना, निधि टाक और अथर अंसारी ने सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया।प्रतिष्ठित एड्यूविजनरी अवाड्र्स कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में 101 उत्कृष्ट स्कूल प्रधानाचार्यों और निदेशकों के अथक प्रयासों को पहचानना और उनकी सराहना करना, जिन्होंने अपनी अटूट प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के साथ शिक्षा के भविष्य को आकार दिया। आयोजकों ने सहयोगी भागीदार केनबी एजुटेक, आईपीएस बिजनेस स्कूल, स्नोटेल हॉलीडेज, रे एफएक्स और सिराया एवम कनोडिया महाविद्यालय की प्रधानाचार्या और सचिव को धन्यवाद प्रेषित किया। इस कार्यक्रम में ज्ञानवर्धक सत्र और मनमोहक प्रदर्शन शामिल थे। सर्वाइकल कैंसर परअवरनेस सेशन, ईएचसीसी से डॉक्टर पूनम उपाध्याय द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसका उद्देश्य समाज के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना और निवारक उपायों को बढ़ावा देना है। प्रो. डॉ. देवेन्द्र अरोड़ा ने नेतृत्व कौशल के बारे में बयाताः प्राचीन भारतीय ग्रंथों से प्रेरणा लेते हुए, प्रो. डॉ. देवेन्द्र अरोड़ा ने नेतृत्व कौशल विकसित करने पर अपना गहन विचार जो की हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से मेल खाते है,साझा किए, जिससे शिक्षक को ज्ञान और करुणा के साथ नेतृत्व करने का गुण मिलता है। पद्मश्री पुरस्कार विजेता गुलाबो द्वारा विशेष प्रदर्शनः उपस्थित लोगों ने यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त सांस्कृतिक विरासत, गुलाबो सपेरा द्वारा प्रस्तुत मंत्रमुग्ध कर देने वाले कालबेलिया नृत्य का आनन्द लिया। गुलाबो की मनमोहक कलात्मकता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति ने उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों का स्वागत करके आयोजकों ने स्वयं को गौरवान्वित महसूस किया। मुख्य अतिथि-कैलाश वर्मा, विधायक बगरू
विशिष्ट अतिथि-वरिष्ठ आरएएस पंकज ओझा-रजिस्ट्रार राजस्थान सिविल सेवा अधिकरण
एनएम भाटिया सदस्य एडवाइजरी बोर्ड प्रूडेंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स
देव अरोड़ा-अध्यक्ष खेल अकादमी जयपुर
अखिल शुक्ला-अध्यक्ष स्काउट एवं गाइड ने संयुक्त रूप से शिक्षा के चैंपियंस का जश्न मनाया और उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों का सम्मान किया। ये शाम शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति और भविष्य के विचारो को आकार देने वालों की अदम्य भावना का प्रमाण थी।

लगातार तीन दिनों तक जैन मंदिरों में रहेगी विशेष धार्मिक आयोजनों की धूम

मंगलवार 13 फरवरी को मनायेंगे तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमल नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव -बुधवार 14 फरवरी को आचार्य कुन्द कुन्द की जन्म जयन्ती - गुरुवार, 15 फरवरी को तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमल नाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन बंधुओं द्वारा मंगलवार, 13 फरवरी से गुरुवार, 15 फरवरी तक तीन दिन लगातार जैन तीर्थंकरों के कल्याणक दिवस तथा दिगम्बर जैन आचार्य का जन्म जयन्ती महोत्सव बडी धूमधाम से मनाये जाएंगे। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये जायेंगे ।राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि मंगलवार,13 फरवरी को जैन धर्म के तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। बुधवार,14 फरवरी को दिगम्बर जैन आचार्य कुन्द कुन्द का जन्म जयंती महोत्सव मनाया जाएगा। इसी तरह गुरुवार ,15 फरवरी को तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। इन सभी आयोजनों में दिगम्बर जैन मन्दिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाएंगे। श्री जैन के मुताबिक मंगलवार को मनिहारों का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघीजी में अध्यक्ष प्रेम चन्द बडजात्या एवं मंत्री विपिन बज के नेतृत्व में मूलनायक भगवान विमलनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाया जाएगा। आमेर की दिगम्बर जैन नसियां कीर्ति स्तम्भ, सांगानेर के श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी सहित कई मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन होगें। शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में भगवान के कल्याणक दिवस मनाएं जाएंगे तथा दिगम्बर जैन आचार्य कुन्द कुन्द का जन्म जयंती महोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर संगोष्ठी, णमोकार महामंत्र के पाठ, आरती, भक्ति संध्या आदि के आयोजन होगें।

थूवोनजी जैसी विशाल प्रतिमाएं अन्यत्र देखने में नहीं आईं: आचार्य श्री

थूवोनजी कमेटी ने किये आचार्य श्री को श्री फल भेंट। विश्व शांति के लिए होगा सिद्ध चक्र महा मंडल विधान: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

थूवोनजी जैसी विशाल प्रतिमाएं अन्यत्र देखने में नहीं आईं थूवोनजी के मन्दिर का निर्माण बाद में हुआ है पहले शिल्पी ने शिलाओं का चयन कर प्रतिमाओं को अपने मन मस्तिष्क में उकेरा होगा तब ये प्रतिमाएं आपके सामने आई प्रतिमा शिला से प्रकट होती है बनाई नहीं जाती क्योंकि की शिला को देख कर ही शिल्पी साधना प्रारंभ हो जाती है। वह शिला से अवरण को हटाता जाता है और प्रतिमा आकर लेने लगती है थूवोनजी के मन्दिरो की विशेषता है इन मन्दिरो में विशाल प्रतिमाएं विराजमान हैं और द्वार बहुत छोटे छोटे हैं उक्त आश्य केउद्गार आचार्य श्रीआर्जवसागर जीमहाराज ने दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए।

ध्वजारोहण के साथ होगी सिद्धो की महाआराधना

इसके पहले समारोह में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि आचार्य श्रीआर्जवसागर जीमहाराज ससंघ के सान्निध्य में ग्यारह फरवरी से सिद्धों की महा आराधना रूप श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ श्रावक श्रेष्ठी रामेश चन्द्र नीरज कुमार ईसागढ़ परिवार द्वारा पूरे भक्ति भाव के साथ किया जा रहा है जिसमें आप सभी को अपनी उपस्थिति दर्ज कराना है सिद्धो की महा आराधना हेतु प्रतिष्ठा चार्य अंकित भ इया जवलपुर से विशेष रूप से पधार रहे हैं जो आगामी आठ दिनों तक अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में रहकर हम सभी को भगवान की भक्ति से जोड़ेंगे

पुण्यर्जक परिवार के साथ कमेटी ने किए श्री फल भेंट

श्री सिद्ध चक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में आचार्य श्री ससंघ के सान्निध्य की प्रार्थना के साथ पुण्य जंक रामेश चन्द्र नीरज कुमार जैन दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू उपाध्यक्ष राकेश अमरोद मिल महामंत्री विपिन सिंघई मंत्री विनोद मोदी राजेन्द्र हलवाई कोषाध्यक्ष सौरव वाझल संरक्षण संजीव श्रागर शैलू भारत शैलेन्द्र श्रागर संयोजक शैलेन्द्र ददा मनोज टडैया संजय गीत गंगा सहित अन्य भक्तों ने आचार्य श्री को श्री फल भेंट कर श्री सिद्ध चक्र महा मंडल विधान में अपना सान्निध्य प्रदान करने का निवेदन किया

जगत कल्याण के लिए की शान्ति धारा

इसके पहले आज सुबह मंगल गान के साथ खड़े बाबा भगवान आदिनाथ स्वामी के कलशाविषेक किया गया इसके साथ ही जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा करने का सौभाग्य नरेंद्र कुमार जैन जवलपुर अनिल पाटनी दिल्ली संजय कासलीवाल जयपुर सन्तोष सिंघई राजेश जैन सहित अन्य भक्तों को मिला।

इसी भूमि पारस पत्थरी मिली थी जिससे रांगे से सोना बनता था: आचार्य श्री

आचार्य आर्जवसागर जी महाराज ने कहा कि सोचो विचार करो लगभग एक हजार शाल पहले इतनी बड़ी-बड़ी प्रतिमाओ का निर्माण पांडा शाह द्वारा किया गया उनके अंदर इतनी भक्ति श्रद्धा होगी जब कोई संसाधन नहीं होते थे मशीनो की तो कल्पना ही नहीं होगी सड़के थी नहीं वियावान जंगल में यदि किसी महा भक्त ने तीर्थ की आधार शिला रखी होगी तो इस भूमि से जुड़ा अतिशय भी होगा कहते हैं कि यहां जो तालाब में उसमें पांडा शाह जी के पाड़े की चैन सोने कि हो गई थी उन्हें इसी पंद्रह नवंबर मन्दिर के पास स्थित आदि सरोवर (तालाब) में पारस पत्थरी मिली थी जिससे वे अपने रांगेको सोना का बना देते थे और एक हजार वर्ष पूर्व इस विशाल क्षेत्र का निर्माण हो गया ।

पोदार वर्ल्ड स्कूल का 10वां वार्षिकोत्सव: कथांजलि-2024

जयपुर. शाबाश इंडिया। पोदार वर्ल्ड स्कूल जयपुर ने अपना 10 वा वार्षिकोत्सव ''कथांजलि'' 10 फरवरी 2024 को महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में बड़े हर्षउल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पदमश्री एस शाकिर अली जी, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) श्री देवीशंकर शर्मा जी तथा आरजे नूपुर 94.3 माय एफएम जयपुर के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात पोदार एजुकेशन मुंबई के चेयरमैन श्री राघव पोदार ने अपने संदेश के माध्यम से विद्यालय के अभिभावको को बच्चों का उत्साहवर्द्धन करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि विद्यार्थियों के जीवन की हर क्षेत्र में सफलता की कामना की जा सके। वार्षिकोत्सव में रंगारंग कार्यक्रम के साथ प्रधानाचार्या सुमिता मिन्हास द्वारा विद्यालय के बच्चों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त की गई उपलब्धियों के बारे में उल्लेख करते हुए स्कूल की वार्षिक गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों एवं अभिभावकों ने विद्यालय के बच्चों एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया।

S.R.K. MAX HOSPITAL में मेडिकल कैंप संपन्न

जयपुर। 11फरवरी, रविवार को S.R.K. MAX HOSPITAL , लालकोठी एवं दिगम्बर जैन महासमिति द्वारा एक बहुस्तरीय नि शुल्क मेडिकल केम्प का आयोजन हुआ जिसमे दिगंबर जैन महासमिति सदस्य उपस्थित रहे। हास्पिटल के मुख्य डाक्टर्स ने तथा मार्केटिंग मैनेजर मिस्टर करन सिह द्वारा महा समिति के आये सभी पदाधिकारियो का सम्मान किया तथा सम्पूर्ण हास्पिटल का निरीक्षण कराया।हास्पिटल द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि महासमिति के मेम्बर्स को सभी तरह के इलाज, जाच, तथा भर्ती होने इत्यादि मे विशेष रियायत प्रदान की जावेगी ।

भव्य दो दिवसीय वेदी शुद्धि एवं जिनबिम्ब स्थापना महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया। आगरा के छीपीटोला स्थित रकाबगंज थाने के पास श्री चन्द्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर (गुरु जी का मंदिर में भव्य दो दिवसीय वेदी शुद्धि एवम् जिनबिम्ब स्थापना महोत्सव परम पूज्य आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज जी ससंघ के सानिध्य में किया जा रहा है प्रथम दिवस प्रभु जी का अभिषेक शांतिधारा एवम् यागमंडल विधान महाराज जी के मंगल प्रवचन किए गऐ सभी विधान की क्रियाएँ ग्वालियर से पधारे पंडित श्री राजेंद्र जैन शास्त्री ग्वालियर एवम् संगीत श्रीमती शशि पाटनी जी आगरा के द्वारा दिया गयो सौधर्म इंद्र हिमांशु ईशा,कुबेर इंद्र प्रवीण जी बबीता जी, सनत कुमार इंद्र राजकुमार मंजु जैन, ईशान इंद्र रवि विमला जैन,यज्ञनायक रवींद्र बबीता जैन कार्यक्रम में राज कुमार जैन, प्रवीण जैन काकाभाई अमित जैन, शीतल जैन, बबीता जैन आदि मीडिया प्रभारी राहुल जैन समकित जैन मोजूद रहे।

ध्वजारोहण से हुआ दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ, घटयात्रा व श्री जी की निकाली शोभायात्रा

दोपहर समारोह स्थल पर हुआ यागमंडल विधान पूजन

सीकर. शाबाश इंडिया। निकटवर्ती ग्राम खूड़ स्थित अतिप्राचीन श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में गणिनी आर्यिका 105 नंदीश्वरी माताजी की आज्ञाकारी शिष्या बाल ब्रह्मचारिणी डॉ. करुणा दीदी एवं दीपा दीदी के सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज सीकर व खूड़ के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय श्री मज्जिनेंद्र वेदी प्रतिष्ठा महोत्सवश्र का शुभारंभ शनिवार को प्रातः जिनाभिषेक व नित्य नियम की पूजा जाप्यानुष्ठान नांदी विधान के बाद घटयात्रा के साथ हुआ । मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि घटयात्रा श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर से प्रारंभ हुई, जो गांव के मुख्य मार्ग से होते हुए समारोह स्थल होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंची । यात्रा में बैंड की मधुर स्वर लहरियों पर श्रद्धालु नाचते गाते हुए चल रहे थे। वहीं महिलाएं मंगल कलश के साथ घटयात्रा की शोभा बढ़ा रही थी। खूड़ स्थित समारोह स्थल दयाल भवन में प्रतिष्ठाचार्य डॉ. पं. सनत कुमार जैन शास्त्री जयपुर एवं सहयोगी प्रतिष्ठाचार्य पं. आशीष जैन शास्त्री सीकर के निर्देशन में विधि विधान पूर्वक ध्वजारोहण किया गया । सीकर जैन समाज के विद्वान पंडित जयंत शास्त्री द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। देवाज्ञा, गुरुआज्ञा, आचार्य निमंत्रण ध्वजारोहण सकलीकरण के उपरांत समारोह स्थल पर ध्वजारोहण डा. विनोद कुमार - अर्चना सेठी व समस्त सेठी परिवार खूड़ वालो द्वारा किया गया ।महोत्सव अध्यक्ष डा. वी के जैन सेठी ने बताया कि ध्वजारोहण पश्चात्मण्डपशुद्धी, नूतन वेदी शुद्धी संस्कार विधी (अष्ट कुमारियों व आयोजन के मुख्य पात्र परिवारों द्वारा) हुई । इसके पश्चात श्री जी की प्रतिमा को शोभायात्रा द्वारा समारोह स्थल लाया गया । तत्पश्चात दोपहर महोत्सव के पात्रों की शुद्धि के साथ ही मंत्रोचार के साथ श्री जी के अभिषेक शांतिधारा पश्चात याग मंडल विधान पूजन किया गया। जिसमे संगीतकार नवीन जैन ग्रुप, कोटा के मधुर संगीत पर प्रतिष्ठाचार्य डा.सनत कुमार शास्त्री द्वारा मंत्रोच्चार पर सौधर्म इन्द्र भागचंद सेठी ,धन कुबेर डा. विनोद सेठी ,ईशान इंद्र मालचंद सेठी, यज्ञनायक निशांत पाटनी गौरीपुर , सानत इंद्र राजेश सेठी , विकास सेठी व मनीष सेठी , विकास सेठी , रायचंद सेठी बंगाल , श्रीपाल पाटनी नलबाड़ी , बाबूलाल सेठी नलबाड़ी , कैलाश सेठी सोहनलाल सेठी बाराबंकी , महेंद्र सेठी कानपुर , कपिल सेठी सूरत , सुधीर छाबड़ा जयपुर , राकेश बड़जात्या हैदराबाद , मुकेश डोसी जयपुर , अपूर्व कासलीवाल कोटा , महेंद्र सोगानी जयपुर , लूणकरण पाटनी पांडेचेरी , पवन गोधा काठमांडू , निर्मल पाटनी हैदराबाद , मनोज बज सीकर , जयप्रकाश पाटनी खूड़ , महेश सेठी , धनेश सेठी , प्रदीप सेठी, मनोज सेठी , आलोक सेठी सूरत , सुधीर सेठी , नवीन सेठी , डा.अभिनव सेठी सहित समस्त श्रद्धालुओं ने भक्ति भावपूर्वक अर्घ्य समर्पित किए।

नूतन वेदी पर विराजे भगवान

विश्व शांति महायज्ञ के साथ हुआ भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का समापन

सीकर. शाबाश इंडिया। निकटवर्ती ग्राम खूड़ स्थित अतिप्राचीन श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका 105 नंदीश्वरी माताजी की आज्ञाकारी शिष्या बाल ब्रह्मचारिणी डॉ. करुणा दीदी एवं दीपा दीदी के सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज सीकर व खूड़ के तत्वाधान में दो दिवसीय भव्य श्री मज्जिनेंद्र वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव के समापन पर रविवार को मंदिर जी में नूतन वेदी में भगवान विराजमान किए गए । णमोकार मंत्र के जाप और तीर्थंकर भगवान के जयकारों के बीच तीनों वेदियों पर समस्त प्रतिमाएं विराजित की गई । महोत्सव के कार्याध्यक्ष भागचंद सेठी ने बताया कि वेदी उद्घाटन, चंवर स्थापना, भामंडल, छत्र एवं कलश स्थापना के भव्य आयोजन प्रतिष्ठाचार्य डॉ. पं. सनत कुमार जैन शास्त्री जयपुर एवं सहयोगी प्रतिष्ठाचार्य पं. आशीष जैन शास्त्री सीकर द्वारा पूर्ण विधि-विधान के साथ संपन्न करवाए गए। वेदी उद्घाटन पश्चात नूतन वेदी पर मुलनायक आदिनाथ भगवान सहित समस्त प्रतिमाएं विराजित की गई। मीडिया प्रभारी विवेक पाटोदी ने बताया कि जिन मंदिर में पूर्ण विधि विधान के साथ प्रतिमाओं की स्थापना की गई , जिनमें मुख्य प्रतिमा आदिनाथ भगवान के साथ दूसरी वेदी पर नेमीनाथ भगवान की प्रतिमा और तीसरी वेदी पर महावीर भगवान की प्रतिमा विराजमान करवाई गई।

गणिनी आर्यिका विशुद्धमति माता जी का 75वां हीरक जन्मजयंती महामहोत्सव मनाया, उमड़े श्रद्धालु

शाबाश इंडिया. अमन जैन कोटखावदा

जयपुर। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सेक्टर 8 प्रतापनगर में परम पूज्य सिद्धान्तरत्न अध्यात्मयोगिनी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विशुद्धमति माता जी का 75 वां हीरक जन्मजयंती महामहोत्सव धूमधाम से मनाया गया। गणिनी आर्यिका विशेष मति माता के सानिध्य में आयोजित इस महामहोत्स्व में जन्म जयंती की पूर्व संध्या 10 फरवरी को सायंकाल णमोकार महामंत्र जाप व 48 दीपकों से संगीतमय भक्तामर स्तोत्र पाठ किया गया। समिति अध्यक्ष कमलेश जैन व त्रिलोक चंद जैन ने बताया कि हीरक जन्मजयंती दिवस 11 फरवरी को प्रातः जिनेन्द्र देव के अभिषेक व शांति धारा की गई। तत्पश्चात विशेषमति माता के सानिध्य में साजो के साथ पंच बालयति विधान किया गया। इस मौके पर इन्द्र - इन्द्रणियो ने जैन भजनों पर भक्ति नृत्य करते हुए अष्ट द्रव्य के अर्घ्य चढ़ाए। आयोजन में मंदिर समिति अध्यक्ष कमलेश जैन बावड़ी, युवा मंडल अध्यक्ष त्रिलोक चंद जैन, महेश सेठी, जितेन्द्र जैन जीतू, पारस जैन, अमन जैन कोटखावदा सहित बडी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।

भक्तामर अनुष्ठान का हुआ आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। महल योजना जगतपुरा स्थित दिगंबर जैन मंदिर में भक्तामर पाठ अनुष्ठान का आयोजन किया गया। संगठन प्रवक्ता अभिषेक सांघी ने कहा कि श्रद्धालुगण द्वारा भक्ति भाव से दीप प्रज्वलन कर मंडल पर अर्पित किए गए। कार्यक्रम के पुण्यार्जक अशोक कुमार बीना, मयंक, शशांक, शिवानी, विधान जैन भौंच परिवार रहे। कार्यक्रम का संचालन निर्मला संघी के निर्देशन में हुआ तथा गायक कलाकार अभिषेक जैन ने अपनी प्रस्तुति दी। आयोजन में मुकेश सांघी, अनूप सुलोचना बैनाड़ा, नवीन ऋतु बड़जात्या, अनिल सुनीता बड़जात्या, मोना जैन, सुभद्रा बिलाला, पिंकल श्रीमाल, भागचंद कनक सांखुनिया, मंजू मिलाप जैन सुराशाही, इंदु नेम कोडीवाल, पीयूष डॉली जैन, अरुण सेठी, देवेंद्र सिंघल अंकित नेहा जैन मित्रपुरा, लोकेश सुनीता मंगल, आदि ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

विकास समिति के अशोक शर्मा अध्यक्ष, महासचिव संजीव खानिजों तथा विजय चंद जैन कोषाध्यक्ष चुने गए

जयपुर. शाबाश इंडिया। मालवीय नगर डी ब्लॉक विकास समिति के द्वि वार्षिक चुनाव 2024 26 के चुनाव संपन्न हुए। जिसमें मालवीय नगर डी ब्लॉक विजयनगर महालक्ष्मी कल्याण कॉलोनी के निवासियों ने भाग लिया मतदान के अंत में चुनाव अधिकारी आर बी अग्रवाल ने चुनाव नतीजे की घोषणा करते हुए बताया कि अशोक शर्मा को अध्यक्ष, महासचिव संजीव खानिजों और विजय जैन निर्विरोध चुने गए। सभी ने पदाधिकारीयों को मिठाई खिलाकर एवं माला पहनकर अभिनंदन किया। पूरी मतदान प्रक्रिया के दौरान रजनीकांत शर्मा, संत कुमार टिबरा, शंकर खंडेलवाल, अरुण कुमार जैन, नरेश शर्मा, पी डी अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में डी ब्लॉक के निवासी उपस्थित थे।

नवीन जैन हुये राज्य सभा सदस्य के लिए निर्वाचित

इंदौर. शाबाश इंडिया। आगरा के पूर्व महापौर नवीन जैन राज्य सभा सदस्य के लिए निर्वाचित हुये। इस अवसर पर इंदौर दिगंबर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, महामंत्री सुशील पांड्या, मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, राष्ट्रीय मिडिया प्रभारी राजेश जैन दद्दू, संजीव जैन संजीवनी, हंसमुख गांधी, टीके वेद, राजीव जैन बंटी, परवार समाज के अध्यक्ष राजेश लारेल, परवार महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन, सारिका जैन, सीमा रावत सभी ने बधाई देते हुए कहा की आप के राज्य सभा में मनोनयन से समंग्र जैन समाज गौरवान्वित हुआ बहुत-बहुत बधाई।

वर्द्धमान रूट्स के बच्चों ने फायर लेस कुकिंग में दिखाया हुनर

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित वर्द्धमान इंटरनेशनल स्कूल (वर्द्धमान रूट्स) के एल. के.जी. एवं एच.के.जी के नन्हे छात्र-छात्राओं के लिए फायर लेस कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लेकर विभिन्न प्रकार के फायर लेस कुकिंग आइटम जैसे सेव-पुरी, कटोरी-चाट, बर्गर, रसमलाई, बिस्किट ट्रीट, ज्यूस एवं अनेक प्रकार के सैंडविच आदि अनेक तरह के स्वादिष्ट व्यंजन तैयार कर अपनी प्रतिभा दिखाई। कक्षा एलकेजी के बच्चों ने अपनी मम्मी के साथ प्रतियोगिता मे भाग लिया और विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए, एचकेजी के बच्चों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर लजीज व्यंजन बनाए। प्रतियोगिता मे निर्णायक की भूमिका नितिन नाहर एवं शुभनता मेहता, अर्चना मित्तल, हर्षित शर्मा द्वारा निभाई गई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि तपन गोखरु द्वारा प्रथम पुरस्कार के विजेताओं को एक हजार रूपए के गिफ्ट वाउचर दिये गये। वर्द्धमान ग्रुप के निदेशक डॉ.आर.सी लोढ़ा ने सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओ का उत्साहवर्द्धन करते हुए बताया कि बच्चो के साथ खाना बनाना केवल सामग्री, व्यंजनो और खाना पकाने के बारे में नही है यह कल्पना और रचनात्मकता को बढ़ाता है । विद्यालय प्राचार्य श्वेता नाहर ने बताया कि इस गतिविधि का मिशन बच्चों को भोजन तैयार करने में विकसित करना उन्हे पोषण की दुनिया के बारे में जिम्मेदारी एवं जागरूकता पैदा करना है । कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ.नरेंद्र पारख ने बच्चों एवं उनके अभिभावकों के प्रति बधाई प्रेषित की।

गौ काष्ठ से महिला का किया अंतिम संस्कार

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। गौ सेवा परिवार समिति जयपुर द्वारा संचालित श्री नारायणधाम गौशाला बगरू में देशी गाय के गोबर से निर्मित गौ काष्ठ (गोबर की लकड़ी) से नसीराबाद स्थित मोक्षधाम में रविवार को एक महिला का अंतिम संस्कार किया गया। वैरिड बोर्ड सदस्य सुशील कुमार गदिया ने बताया कि गांधी चौक निवासी अशोक कुमार गर्ग की पत्नी गीता देवी का निधन होने पर उनके परिवार की ओर से इस बात की इच्छा प्रकट की गई कि वह अंतिम संस्कार गाय के गोबर से बने गौ काष्ठ से करना चाहते हैं। ताकि वन व पेड़ बचाने के साथ गौ सेवा का अक्षय पुण्य दिवंगत आत्मा को मिले और पूर्ण रूप से सात्विक अंतिम संस्कार होने से आत्मा को मोक्ष और सदगति मिल सके। इस पर श्री नारायणधाम गौशाला बगरू संपर्क किया गया और वहां से गौ काष्ठ और गौ विमान मंगाया गया और दिवंगत महिला गीता देवी का अंतिम संस्कार किया गया।

छोटे बच्चों ने पूजा कर की धर्म प्रभावना

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। बाहुबली दिगंबर जैन पाठशाला में अध्ययन कर रहे बच्चों ने रविवार को आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में अष्ट द्रव्यों से पूजा कर की धर्म प्रभावना। छोटे-छोटे बच्चों को , निधि जमोरिया, सोनू सोनी, सीमा बडजात्या ,सोनम सेठी , आदि ने अष्ट द्रव्यों से देव, शास्त्र, गुरु की पूजा करवाई।

युवा संसद कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद में विद्यालय स्तर पर बच्चों द्वारा युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन ब्रिगेडियर शिशिर जैन की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य रमेश चंद मीणा ने किया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए ब्रिगेडियर साहब ने बताया कि हमारे संसद देश की भाषा ,सभ्यता ,संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है। यह अच्छी बात है कि आज युवा लोकतांत्रिक प्रणाली के प्रति आस्था रखते हैं उनका संरक्षण कर रहे हैं इस कार्यक्रम में विद्यालय के 60 बच्चों ने भाग लिया। युवा संसद में बच्चों ने प्रधानमंत्री गृह मंत्री, वित्त मंत्री, रक्षा मंत्री, विपक्ष के नेताओं व अन्य सदस्यों की भूमिका निभाई ।इस अवसर पर स्कूल के प्रार्थना स्थल को देश की संसद की तरह तैयार किया गया। विपक्ष के सदस्यों ने मंत्रियों से उनके क्रियाकलापों पर सवाल उठाए कार्यक्रम में उच्च सदन से पास विधेयकों को निम्न सदन में प्रस्तुत किया गया वहीं विपक्षी सदस्यों द्वारा बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भारतीय सेना के सशक्तिकरण, राजस्थान के हिस्से को रेलवे लाइन से जोड़ने, राजस्थानी भाषा को मान्यता देने एवं नई शिक्षा नीति से संबंधित मामलों को सदन में उठाया। सत्ता पक्ष के द्वारा प्रतिभा पलायन पर कानून बनाकर भारतीय प्रतिभाओं को रोकने संबंधित विधेयक प्रस्तुत किया। श्रुति सिंह परिहार ने लोकसभा अध्यक्ष , मिरांशु राव ने प्रधानमंत्री, मृणाल गॉड ने गृहमंत्री, कृतिका यादव ने प्रतिपक्ष नेता, पवन सिंह रावत ने फाइनेंस मिनिस्टर, प्रतीक रावत ने सेक्रेटरी जनरल, माही बाबानी ने रक्षा मंत्री, प्रज्ञा कुमारी ने शिक्षा मंत्री की मुख्य भूमिका निभाई लोकसभा अध्यक्ष द्वारा सदन में नेपाली सांसद प्रतिनिधित्व का स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक रंजीत कुमार ने कहा कि भारत में युवाओं को सशक्त करने एवं उनके देश के प्रति जागृति पैदा करने के उद्देश्य से युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन होता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों की प्रतिभा को उभारने और उन्हें भारतीय राजनीति के विभिन्न पदों और उनके कार्यों से अवगत कराया जाता है। इस कार्यक्रम में दीपक कुमावत राम लाल गुर्जर भूपेंद्र शर्मा सहित अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं ने अहम भूमिका रही।

नेत्र शिविर में 456 मरीजों ने कराया परीक्षण

168 मरीज मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिये चिन्हित

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अम्बाह। समाजसेवी स्व.कपूरचन्द जैन (एडवोकेट) की स्मृति में डॉ. भसीन द्वारा स्थापित रतन ज्योति चैरिटेबल फाउण्डेशन (ट्रस्ट) ग्वालियर के सहयोग से जिनेश जैन पूर्व अध्यक्ष, नगरपालिका अम्बाह, जिला उपाध्यक्ष, भाजपा जिला-मुरैना के द्वारा विगत 20 निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन परीक्षण शिविरों के सफलतापूर्वक आयोजन के बाद 11 फरवरी रविवार को 21 वाँ निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन परीक्षण शिविर का आयोजन श्री टेक चन्द जैन विद्यालय प्रांगण, अम्बाह में आयोजित किया गया। शिविर में मोतियाबिन्द ऑपरेशन परीक्षण के लिये लगभग 456 मरीजों ने नामांकन कराया, जिसमें से कुल 168 मरीजों को मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिये चिन्हित किया गया। इन मरीजों को मोतियाबिन्द आपरेशन के लिये ग्वालियर ले जाया जायेगा, जिसमें मरीजों का आना-जाना, खाना, दवाइयाँ एवं मोतियाबिन्द आपरेशन आदि निःशुल्क रहेगा। शिविर में टेकचन्द जैन हा. से. स्कूल के समस्त स्टॉफ एवं एन.सी.सी. कैडेट तथा एन.एस. एस. के स्वयंसेवकों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। शिविर में जिनेश जैन, महेन्द्र कुमार जैन, अंशुल जिनेश जैन, श्री टेकचन्द जैन हा. से.स्कूल के प्राचार्य आलोक प्रताप सिंह तोमर, राजकुमार जैन, विजय जैन, अश्विनी गुप्ता, रईस अहमद गौरी, उपदेश सिंह तोमर, कुलदीप भटनागर, अंगद सिंह सिसौदिया, संजीव कुमार श्रीवास्तव, दिलीप वर्मा एवं विद्यालयीन चतुर्थ श्रेणी स्टॉफ आदि का विशेष सहयोग रहा।

संस्कार पाठशाला चोमूं बाग, सांगानेर द्वारा तीर्थ वंदना का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति चोमूबाग द्वारा आयोजित जैन संस्कार पाठशाला चोमूबाग, सांगागेर के बच्चों को 11 फरवरी को तीर्थ वंदना कराई गई जिसमें तीर्थक्षेत्र आदिश्वरं चाकसु, छोटा गिरनार एवं पदमपुरा की वंदना की। स्व. सन्तोषदेवी पाण्डया की स्मृति में राजीव, राजेश, निलय पाण्डया केकड़ी वाले एसडीसी सांगानेर मुख्य पुण्यार्जक थे जिन्होंने हरी झंड़ी दिखाकर यात्रा बस को रवाना किया। इस समय प्रेमचंद बडजात्या समन्वयक, अशोक जैन, जयकुमार अजमेरा, मुकेश जैन, महासमिति इकाई अध्यक्ष डॉ. अरविन्द कुमार जैन, मंत्री राजकुमार गोधा ने बच्चों का सम्मान कर विदा किया। इस अवसर पर अभिभावकों एवं समाज के विशिष्ट लोगों की उपस्थिति सराहनीय रही। छोटा गिरनार में आर्यिका भरतेश्वरी माताजी का आशीर्वाद एवं सम्बोधन प्राप्त हुआ। यात्रा में धार्मिक खेल, प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों का खूब मनोरंजन किया गया। पाठशाला का संचालन श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर चौमूबाग द्वारा किया जाता है। संयोजक शिक्षक श्रीमती सरोज जैन, चेतन जैन, रेखा पाटनी एवं कमला अजमेरा यात्रा में साथ रहे। व्यवस्था में अशोक पाटनी, डॉ. हेमन्त शास्त्री, प्रहलाद चन्द नेवटा का विशेष सहयोग रहा।